परीक्षा संगीत संस्कार
भरतनाट्यम् (नृत्य), भाग -1

उद्देश्य :- इस वर्ष हमें विद्यार्थियों पर संगीत के संस्कार एवं उसके प्रति रुचि निर्माण करना है, क्योंकि स्वर और लय संगीत के आधारस्तंभ है |
'स्वर' संगीतरूपी भाषा के अक्षर है और 'लय' संगीतरूपी भाषा का व्याकरण है |

सूचना :- इस वर्ष में नृत्य और ताल में परिचित होना विद्यार्थी से अपेक्षित है | इस वर्ष परीक्षा नहीं होंगी | लेकिन वर्ष के अंत में केवल पाठ्यक्रम पूर्तता के अनुसार स्वयं शिक्षक द्वारा विद्यार्थी का वार्षिक मूल्यमापन श्रेणी के आधार पर होगा | (अ+, अ , ब+, ब)

- **पाठ्यक्रम :-**

1. ओंकार का उच्चारण |
2. चित्रद्वारा विविध नृत्यशैलियों का परिचय |(जहाँ हो सके वहाँ व्हीडीओ द्वारा नृत्य का दर्शन)
3. भरतनाट्यम् शैली में खड़े रहने के लिये किये जाने वाले कोई भी पाँच व्यायाम के प्रकार |
4. तालीद्वारा लय का परिचय | (गायन / वादन संगीत सुनाना)
5. हस्तसंचालन का प्राथमिक परिचय।
6. भरतनाट्यम् के लिए वेषभूषा का परिचय और वाद्य परिचय।
7. विशिष्ट दिशामें लय के साथ चलने का अभ्यास |
8. प्रादेशिक नृत्य की पहचान | (चित्र एवं विडिओ द्वारा)
9. अभिनय गीत का प्रस्तुतीकरण |

संगीत संस्कार भाग - 2
भरतनाट्यम् (नृत्य)

उद्देश्य - विद्यार्थी में संगीत के प्रति रुचि और मानसिकता उत्तरोत्तर बढ़ती जाए एवं सरलता से उन्हें संगीत का आनंददायी परिचय हो |

सूचना :- इस वर्ष में नृत्य और ताल का क्रियात्मक संगीत में साधारण प्रयोग विद्यार्थी से अपेक्षित है | इस वर्ष परीक्षा नहीं होंगी | लेकिन वर्ष के अंत में केवल पाठ्यक्रम पूर्तता के अनुसार स्वयं शिक्षक द्वारा विद्यार्थी का वार्षिक मूल्यमापन श्रेणी के आधार पर होगा | (अ+, अ , ब+, ब)

1. भरतनाट्यम् शैली में खड़े रहने के लिये किये जाने वाले कोई भी पाँच व्यायाम के प्रकार |
   (प्रथम वर्ष के अतिरिक्त)
2. कोई भी ताल वाद्य के लय के अनुसार पैरों से ताल देना |
3. भक्ति रसपर आधारित किसी भी गीत पर प्रसुतिकरण का प्रयास |
4. भारतीय लोक नृत्य को पह्चानना | (चित्र/विडिओद्वारा)
5. भरतनाट्यम् के किन्ही दो कलाकारों का नाम बताना |
6. संगीत श्रवण – विद्यार्थी के पसंद के गीत या वाद्य वादन सुनाना, सुनतें सुनते उस पर हाथ से ताल देने का अभ्यास |
7. राष्ट्रगीत जन-गण-मन एवं राष्ट्रगान वंदे मातरम् सरल गायन |
8. कहानी, रंग एवं खेलों के माध्यम से संगीत-नृत्य का परिचय |
9. अरमंडी आधी, मंडी पूर्ण करके दिखाना |
10. दृक श्राव्य के माध्यम से संगीत से परिचय |
    (वाद्यों के चित्र दिखाना, वाद्यों का आवाज सुनाना, चित्रों के माध्यम से संगीत परिचय)
11. प्राकृतिक घटकों का मुद्राओं के माध्यम से परिचय एवं प्रदर्शन | उदा. पशु-पक्षी, नदी, फूल आदि